वर्णन करें ।

Dr. Priti Ranjan
Assistant Professor
H. D Jain College
B.A. Part - I
Paper - 1
Topic - Mahajanpad Kal.

राजनीतिक स्थिति

छठी शताब्दी ई० पू० के राजनीतिक जीवन की जानकारी का मुख्य स्रोत बौद्ध ग्रंथ अंगुत्तरनिकाय में है।

जैन ग्रंथ भगवती सूत्र में इस काल के 16 महाजनपद का उल्लेख है।

महाभारत और रामायण जिसके कई खण्ड इसी काल में लिखे गये हैं, इन में भी इस काल के राजनीतिक जीवन का वर्णन मिलते है साथ में पुरातात्विक स्रोत भी इनकी जानकारी देते है।

① छठी शताब्दी से चौथी शताब्दी ई० पू० से भारत में कई जनपद का उल्लेख मिलते है जिसे 16 महाजनपद कहा गया।

पश्चिमोत्तर भारत में कंबोज एवं गांधार दो प्रारंभिक महाजनपद थे। कंबोज की पहचान वर्तमान में पकिस्तान अफगानिस्तान के सीमा क्षेत्र से की गई है। जिसकी राजधानी बौद्ध साहित्य में हाटक के रूप में उल्लेख है। गांधार की पहचान वर्तमान में पकिस्तान के रावलपिंडी तथा उसके आस-पास क्षेत्रों से की गई है। जिसकी राज० तक्षशिला एवं विख्यात शैक्षणिक केन्द्र रह चुका था।

वर्तमान भारत में राजस्थान में एक महाजनपद मत्स्य की पहचान जयपुर तथा उसके आस-पास है।

प्राचीन ... आकाश लोक से संबंधित देवता – द्यौस, वरुण, मित्र, सूर्य अश्विन (नासत्य)

जिसकी रा० विराट नगर है, विराट नगर का उल्लेख बहुत विस्तार से महाभारत में मिलते हैं, जहाँ पांडवों ने कुछ समय बिताये थे। वर्तमान में दिल्ली से लेकर पश्चिमी उत्तर भारत के कुछ हिस्से तक कुरु महाजनपद का विस्तार था। कुरु महाजनपद की रा० उस समय के समकालिन साहित्यों में इन्द्रप्रस्थ तथा हस्तिनापुर जिनकी पहचान मेरठ तथा दिल्ली से की गयी है। कुरु के ही पड़ोसी महाजनपद पांचाल था। जो पाँच जनपदों के संघ के रूप में स्थापित हुआ और यह महाजनपद दर्शन और शिक्षा के लिए बहुत प्रसिद्ध था, जिसकी राज० अहिच्छत्र थी। और पांचाल के निकट सूर्यसेन महाजनपद था, जिसकी राज० मथुरा, का उल्लेख वैदिक साहित्य में भी आया है। और यह महाभारत में विख्यात यदुवंशीय का राज्य था।

वर्तमान इलाहाबाद का क्षेत्र प्राचीन कालिन वत्स महाजनपद जिसकी राज० कौशाम्बी, कला और संस्कृति का बहुत बड़ा केन्द्र बताया गया है। वर्तमान उत्तर प्रदेश में ही एक शक्तिशाली महाजनपद कौशल का वर्णन मिलता है जिसकी राजधानी थी – श्रावस्ती और कौशल महाजनपद को फैजाबाद जिला से चिह्नित की गयी। रामायण में वत्स महाजनपद को रघुवंशीयों का मुख्य केन्द्र दिखाया गया है।

लघु + पुरुष कुरु

कुरु (2) इन्द्रप्रस्थ हस्तिनापुर

पांचाल अहिच्छत्र

सूर्यसेन UP मथुरा

वत्स कौशाम्बी

कौशल श्रावस्ती (फैजाबाद)

(9) काशी वाराणसी — कौशल के पड़ोसी काशी महाजनपद जिनकी राज० वाराणसी था। पूर्वी उत्तर प्रदेश में एक अन्य शक्तिशाली महाजनपद मल्ल एक संघ राज्य के रूप में वह भी स्थापित हुआ था, जिसके दो राजधानी

(10) मल्ल पावा और कुशीनारा — का उल्लेख बौद्ध साहित्य में एक पावा और कुशीनगर।

वर्तमान बिहार में छठी शताब्दी ई० पू० में तीन महाजनपद के उल्लेख मिलते हैं, मगध - जिसका

(11) मगध राजगृह — प्रारंभिक क्षेत्र वर्तमान पटना से गया जिला तक (राजगृह) है जिसकी राजधानी प्रारंभिक राजगीर तत्पश्चात पाटलीपुत्र राज० थी। पूर्वी बिहार के क्षेत्र में अंग

(12) अंग चंपा — एक शक्तिशाली क्षेत्र था, जिसका बड़े विस्तार से उल्लेख महाभारत में हुआ है। इसकी राज० चंपा। उत्तरी बिहार के क्षेत्र में वज्जी संघ आठ राज्यों का संघ राज्य बना। जिसकी राज० थी वैशाली। मध्य व

(13) वज्जी मगध के पड़ोसी थे जो आठ कुलों का एक संघ था। इसकी राजधानी विदेह व मिथिला थी — पश्चिम भारत में दो महत्वपूर्ण महाजनपद थे। एक अवंति जिसकी राज० उज्जैन था वाणिज्य व्यापार का एक महत्वपूर्ण केन्द्र था इसरा महाजनपद चेदी

(14) अवंति उज्जैन — महाजनपद जिसकी राज० शुक्तिमती और द० में गोदावरी घाटी में एक अश्मक की चर्चा है, जिसकी

(15) चेदी शक्तिमती — राज० पोतन थी।

मगध, कौशल, अंग, वज्जी, पश्चिमोत्तर (गंधार) कंबोज, U.P कुरु पांचाल
द० - गोदावरी, अश्मक (Make) चेदी मत्स्य शूरसेन वत्स कोशल काशी

(16) अश्मक — थी।

इन महाजनपदों में निरंतर संघर्ष होते रहते थे। जिनमें कुछ महाजनपद काफी शक्तिशाली हो कर उभरे।

श्रावस्ती मिथिला चंपा

विशेष कर मगध, कौशल, वज्जी, अवंति लम्बे काल तक एक-दूसरे के कड़े प्रतिद्वंद्वी बने रहे, और इन में भी मगध सबसे शक्तिशाली बन कर उभरा। चौथी शताब्दी तक वह एक साम्राज्य के रूप में बन कर उभरा। मगध का उत्कर्ष